राज्य शासन (वाणिज्य, उद्योग और रोजगार विभाग) की अधिसूचना/आदेश क्रमांक F–20–14/05/बी/ग्यारह दिनांक 09.06.2005 के अनुसार जिलों का वर्गीकरण

क्रमांक	विकसित जिले	पिछड़े जिले		
		अ–श्रेणी	ब–श्रेणी	स–श्रेणी
1	2	3	4	5
1	भोपाल	रतलाम	होशंगाबाद	बड़वानी
2	इन्दौर	कटनी	सीहोर	बालाघाट
3	जबलपुर	सतना		बैतूल
4	ग्वालियर	उज्जैन		छिंदवाड़ा
5		देवास		दमोह
6				दतिया
7				हरदा
8				झाबुआ
9				खण्डवा
10				मण्डला
11				मंदसौर
12				मुरैना
13				नीमच
14				पन्ना
15				सिवनी
16				शहडोल
17				शिवपुरी
18				सीधी
19				टीकमगढ़
20				विदिशा
21				छतरपुर
22				डिंडोरी
23				उमरिया
24				अनूपपुर
25				भिण्ड
26				बुरहानपुर

क्रमांक	विकसित जिले	पिछड़े जिले		
		अ–श्रेणी	ब–श्रेणी	स–श्रेणी
27				अशोकनगर
28				श्योपुर कंला
29				धार
30				राजगढ़
31				नरसिंहपुर
32				रायसेन
33				रीवा
34				शाजापुर
35				सागर
36				गुना
37				खरगौन

निम्नलिखित जिले उनके सन्मुख अंकित दिनांक तक पिछड़े जिलों की 'स' श्रेणी में रहेंगे तथा इस दिनांक के पश्चात यह जिलें स्वमेव उपरोक्तानुसार निर्धारित वर्गीकरण के अनुसार जिलों की श्रेणी में होंगे–

क्रं.	जिला	पिछडा जिला 'स' श्रेणी में रहने तक का दिनांक
1	होशंगाबाद	24-03-2013
2	जबलपुर	24-03-2013
3	कटनी	24-03-2013
4	रतलाम	25-04-2013
5	उज्जैन	31-10-2015
6	सीहोर	31-10-2015
7	ग्वालियर	31-10-2015

राज्य शासन (वाणिज्य, उद्योग और रोजगार विभाग) की अधिसूचना/आदेश क्रमांक F–20–14/2005/बी/ग्यारह दिनांक 29.08.2011 के अनुसार उद्योग विहीन विकासखण्ड

उद्योग विहीन विकासखण्डों मे उद्योगो की स्थापना को प्रोत्साहित करनें हेतु निम्न जिलों के उद्योग विहीन विकासखण्डों में स्थापित होने वाले उद्योगो को भी पिछड़े जिलों की 'स' श्रेणी के समान सुविधायें/सहायता 29.08.2011 से 31.10.2015 तक प्रदान की जावेंगी :–

क्रमॉक	जिलें का नाम	उद्योग विहीन विकासखण्ड का नाम
अ – विकसित जिलें :–		
1	भोपाल	बैरसिया
2	इंदौर	देपालपुर
ब – पिछड़े 'अ' श्रेणी के जिलें :–		
1	देवास	1. सोनकच्छ 2. कन्नोद 3. खातेगॉव
2	सतना	1. चित्रकुट (मझगवां) 2. नागौद 3. अमरपाटन 4. उचेहरा 5. रामनगर
3	उज्जैन	1. धटिया 2. तराना 3. बड़नगर 4. महिदपुर

उपरोक्त श्रेणीकरण उद्योग संवर्धन नीति, 2010 एवं कार्ययोजना लागू रहने की अवधि तक प्रभावशील रहेगा।